

विंशोत्तरी स्त्री. (तत्.) (ज्यों.) जातक के जन्म के समय प्रचलित ग्रहों की वह दशा जिसके अनुसार शुभाशुभ की जानकारी दी जाती है तथा सूर्यादि नवग्रहों की दशा की पूरी अवधि एक सौ बीस वर्ष मानी गई है।

वि पुं (तत्.) 1. धन, धन संपत्ति, अर्थ प्रबंध 2. राज्य या संस्था आदि के आय-व्यय का विभाग और उसकी व्यवस्था।

विकंकत पुं. (तत्.) वह वृक्ष जिसकी लकड़ी से वैदिक यज्ञ के लिए सुरवा बनाया जाता था, सुरवावृक्ष।

विकंपन पुं. (तत्.) 1. एक राक्षस 2. काँपना 3. गति।

विकंपित वि. (तत्.) 1. काँपा हुआ 2. शारीरिक कंपन युक्त 3. अस्थिर पुं. 1. मंद पढ़ते हुए स्वर का एक भेद 2. दोषयुक्त स्वरों का उच्चारण।

विकच पुं. (तत्.) 1. एक धूमकेतु 2. एक दानव 3. ध्वज 4. बालों का समूह, लट 5. एक प्रकार का बौद्ध संन्यासी वि. 1. खिला हुआ, विकसित 2. फैला हुआ 3. केशहीन 4. जो बिल्कुल स्पष्ट हो गया हो।

विकट वि. (तत्.) 1. जो देखने में भयंकर या कुरूप हो 2. भयंकर, दुर्गम 3. प्रचंड, विशाल, विस्तृत 4. लंबे दाँतों वाला पुं. 1. धृतराष्ट्र का एक पुत्र 2. बैठने की एक मुद्रा, विकटासन 3. एक विष 4. सोमलता।

विकथन वि. (तत्.) 1. अपनी डींग मारने वाला, आत्मश्लाघी, शेखी बघारने वाला 2. पुं. 1. डींग मारना, आत्मश्लाघा, झूठी प्रशंसा, शेखी 2. व्यंग्य।

विकर पुं. (तत्.) 1. रोग 2. युद्ध का एक प्रकार वि. दंड दिये जाने के कारण जो कर से रहित हो गया हो।

विकरण वि. (तत्.) ज्ञानेंद्रियों से रहित पुं. व्या. प्रकृति या धातु से बने शब्द के मध्य होने वाला वर्ण का आगम, (विशेष रूप से) संस्कृत भाषा

में) जैसे- 'छात्रों का गमन' में छात्र और का के मध्य 'ओ' विकरण।

विकरार वि. (तत्.) भयंकर दे. विकराल।

विकराल वि. (तत्.) भीषण, भयंकर, अत्यंत विचित्र, भयानक।

विकर्ण पुं. (तत्.) 1. दुर्योधन का एक भाई 2. कर्ण का एक पुत्र 3. एक प्रकार का बाण 4. एक साँप वि. 1. बड़े कानों वाला, कर्णरहित, बहरा पुं. गणित. 1. रेखागणित में वह रेखा जो किसी बहुभुज के कोई दो पृथक् शीर्ष बिंदुओं को मिलाये 2. किसी बहुफलक के दो असमीपस्थ शीर्ष बिंदुओं को मिलाने वाली कोई रेखा।

विकर्म पुं. (तत्.) 1. निषिद्ध कर्म, अनुचित कर्म 2. विभिन्न प्रकार के कार्य।

विकर्षक वि. (तत्.) 1. विपरीत दिशा की ओर खींचने वाला विलो. आकर्षक।

विकर्षण पुं. (तत्.) 1. विपरीत दिशा में खींचने का भाव या कार्य, विपरीत आकर्षण 2. दूसरी तरफ से अपनी ओर खींचना, प्रतिकर्षण 3. अरुचि 4. कुशती का एक दाँव 5. आयु. कामदेव के पाँच बाणों में से एक 6. शरीर के किसी अंग में घुसे या चुभे काँटे को पकड़कर बाहर निकालना विलो. आकर्षण।

विकल वि. (तत्.) 1. व्याकुल, बेचैन 2. खंडित, अपंग, अंगहीन 3. घटा हुआ विलो. अविकल।

विकलांग वि. (तत्.) 1. बेकार अंग वाला 2. जिसके शरीर का कोई अंग न हो, न्यूनांग 3. अंगहीन।

विकला स्त्री. (तत्.) 1. वह स्त्री जिसका साव आरंभ हो गया हो, रजस्वला 2. बुध की गति की एक अवस्था 3. गणि. 1. भारतीय समय मान की दृष्टि से काल का 60 वां भाग 2. कोण मापने की इकाई।

विकलाना अ.क्रि. (तत्.) 1. व्याकुल होना 2. बेचैन होना।

विकलित वि. (तत्.) 1. जो व्याकुल किया गया हो 2. व्याकुल, बेचैन 3. दुखी, पीड़ित।